Toppersnotes®
Unleash the topper in you

# UP – PGT

## स्नातकोत्तर शिक्षक

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड

नागरिक शास्त्र

भाग - 3

SIERRA INNOVATIONS

# INDEX


| क्र.सं. | अध्याय | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| **1.** | अन्तर्राष्ट्रीय संबंध | 1 |
| **2.** | भारत की विदेश नीति | 73 |
| **3.** | समसामयिक | 90 |
| **4.** | लोक प्रशासन | 100 |
| **5.** | भारत में शासन विधि तथा लोक नीति | 136 |

# 1 CHAPTER अन्तर्राष्ट्रीय संबंध

## अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति

### अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति व उसके उपागम

- **I.P. का स्वायत विषय के रूप में:** 1919 (वेल्स विश्वविद्यालय)
- **प्रथम आचार्य:** अल्फ्रेड जिर्मन (USA)

### I.P. के अध्ययन के मॉडल

1. **बिलियार्ड बाल मॉडल:** 'राज्य केन्द्रित' दृष्टिकोण
   - ✓ 1950 के बाद के संबंधों पर हावी था।
   - ✓ 'शक्ति - राजनीति का मॉडल' भी कहा जाता है।
2. **कोबवेब मॉडल:**
   - ✓ राज्यो के व्यवहार समझने व विश्लेषण का।
   - ✓ "आर्थिक संबंधी से सम्बन्धित है"।
   - ✓ वैश्वीकरण के कारण मुख्य रूप से उभरा।

### I.P. के उपागम

- **प्रथम विभाजन**
  - ✓ आदर्शवाद v/s यथार्थवाद
  - ✓ परम्परावाद v/s व्यवहारवाद
  - ✓ उदारवाद v/s मार्क्सवाद
  - ✓ प्रत्यक्षवाद v/s उत्तर प्रत्यक्षवाद
- **द्वितीय विभाजन**
  - ✓ परम्परावादी → पुरातन परम्परावादी → 19वीं शताब्दी के परंपरावादी
  - ✓ मार्क्सवादी → आदर्शवादी → व्यवहारवादी

### विभिन्न उपागमों के समर्थक

- **आदर्शवाद समर्थक: कांट, विल्सन, कॉन्डरसेट, टैगोर, हेल्ड**
  - ✓ शान्ति अनुसंधान दृष्टिकोण: कॉन्डरसेट
  - ✓ विश्व व्यवस्था दृष्टिकोण: पास्कल लामी, डेविड हेल्ड
- **यथार्थवाद:**
  - ✓ परम्परागत यथार्थवाद: थ्यूसीडाइड्स, कौटिल्य, E.H. कार, मोर्गेन्थाऊ
  - ✓ नव यथार्थवाद / संरचनात्मक: केनेथ वाल्टज
  - ✓ रक्षात्मक यथार्थवाद: वाल्टज, जैक स्नाइडर, मस्टनडूनो

Toppersnotes
Unleash the topper in you

- ✓ आक्रामक यथार्थवाद: मीयरशाइमर
- ✓ रणनीतिक यथार्थवाद: थॉमस शैलिंग
- ✓ नव परम्परावादी यथार्थवाद: फरीद जकारिया, स्कवेलर
- ✓ तार्किक यथार्थवाद: जोसेफ ग्रीको, क्रसनर
- ✓ अधिकतम व न्यूनतम यथार्थवाद: राबर्ट हूकर

## परम्परावादी उपागम: डेविड हेल्ड, English School

- **व्यवहारवादी / वैज्ञानिक उपागम:**
  - ✓ व्यवस्था सिद्धान्त: मार्टिन केप्लॉन
  - ✓ खेल सिद्धान्त: शुबिक, राइकर
  - ✓ सौदेबाजी सिद्धान्त: थॉमस शैलिंग
  - ✓ संचार सिद्धान्त: कार्ल डॉयच
  - ✓ निर्णय - निर्माण सिद्धान्त: स्नाइडर, बर्क, सॉपिन (S,B,S)
- **उदारवादी:**
  - ✓ गणतांत्रिक उदारवाद: काण्ट, माइकल डॉयल
  - ✓ समाजशास्त्रीय उदारवाद: जॉन बर्टन
  - ✓ फलनवाद उदारवाद: डेविड मित्रणी
  - ✓ नवफलनवाद उदारवाद: अर्नेस्ट हॉस
  - ✓ जटिल अन्तर्निर्भरता सिद्धान्त: कोहेन व जोसेफ नाये
- **मार्क्सवादी:**
  - ✓ निर्भरता सिद्धान्त: ए. जी. फ्रैंक, समीर अमीन, वाल्रस्टीन

## आदर्शवादी उपागम

- 'आशावादी सिद्धान्त' कहा जाता है।
- **पुनर्जीवन: 1919-20**
- "लॉकीय अवधारणा में विश्वास"
- **शुरुआत: 1795 से**
- "प्रगतिवादी सिद्धान्त" भी कहा जाता है।
- यह सिद्धान्त शान्ति, न्याय, सम्मृद्धि व मानव में विश्वास करता है।
- "क्या है" (यथार्थवाद) के बजाय "क्या होना चाहिए" पर बल देता है।
- सर्वदेशीय अधिकार, सार्वभौमिक आतिथ्य सत्कार पर आधारित है।
- **उदाहरण:**
  - ✓ वुडरो विल्सन का 14-सूत्रीय घोषणा पत्र।
  - ✓ राष्ट्र संघ की स्थापना (वर्तमान - UNO)।
  - ✓ कैलांग - ब्रिया पैक्ट - 1929 (युद्ध उन्मूलन पर जोर)।
  - ✓ नेहरू का पंचशील सिद्धान्त - (29 अप्रैल 1954)।

## नव - आदर्शवाद (New-Idealism)

- **डेविड हेल्ड:** लोकतंत्र का सर्वदेशीय मॉडल।
- **रिचार्ड फॉक (रेडिकल आदर्शवादी):** Global civil society, "नीचे से वैश्वीकरण" पर जोर देते हैं।

## उदार अन्तर्राष्ट्रीयवाद (हॉफ मैन)

| 3 लहरें | | |
|---|---|---|
| **1. पहली लहर:** | **2. दूसरी लहर:** | **3. तीसरी लहर:** |
| प्रबुद्धता से सम्बन्धित। | आदर्शवादी क्षण से सम्बन्धित। | उदार अन्तर्राष्ट्रीयवाद के गढ़ अमेरिका में नेतृत्व व अनुयायी दोनों में संकट की भावना। |
| काण्ट और बेंथम। | वुडरो विल्सन। | जी. जॉन इकेनबरी, टोनी ब्लेयर। |
| अन्तर्राष्ट्रीय कानून शब्द का प्रयोग (1780)। | कानून द्वारा शान्ति, सामूहिक सुरक्षा। | |

## यथार्थवाद (Realism) उपागम

1945 के बाद यथार्थवाद और उदारवाद के बीच इसके अकादमिक अध्ययन के विषय में बहस प्रारम्भ हुई। इसे **"पहली महान बहस"** कहा जाता है।

- **यथार्थवाद के मुख्य बिन्दू**
  - ✓ राज्य अहंभाव तथा संघर्ष।
  - ✓ राज्य शिल्प और राष्ट्रीय हित।
  - ✓ ध्रुवीयता, स्थायीत्व और शक्ति- सन्तुलन।
  - ✓ अन्तर्राष्ट्रीय अराजकता और इसके निहितार्थ।
- **यथार्थवाद के विचारक**
  - ✓ **पुरातन यथार्थवादी:** थ्यूसीडाइड्स, सुन जू, कौटिल्य, मैक्यावली, हॉब्स।
  - ✓ **आधुनिक यथार्थवादी:** मार्गन्धाऊ, E.H. कार, नैबुर, स्पाईकमैन, अर्नाल्ड वुल्फर्स, कैनन, किसिंजर, श्वार्जनबर्गर, राइट, शुमैन।
- **यथार्थवाद के मूल सिद्धांत**
  - ✓ अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था-अराजक है।
  - ✓ "शक्ति अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की कुंजी है"।
  - ✓ राज्य का मुख्य लक्ष्य: 'सुरक्षा' व 'अस्तित्व स्थापना'।
  - ✓ शक्ति सन्तुलन, कूटनीतिक संधियाँ, समझौते।
  - ✓ **यथार्थवादी 3S पर बल देते हैं:**
    - **S - Statism:** राज्य केन्द्रित अवधारणा।
    - **S - Survival:** अस्तित्व।
    - **S - Self-help:** स्वयं सहायता।

➢ **यथार्थवाद के अन्य सिद्धान्त**

- ✓ **"भय का सन्तुलन":** स्टीफन वॉल्ट।
- ✓ **सुरक्षा दुविधा या सुरक्षा का उभयपाश:** जॉन एच. हर्ज (जर्मन)।
- ✓ **प्राधान्य स्थिरता सिद्धान्त:** रॉबर्ट गिलपिन।
- ✓ **शक्ति संक्रमण सिद्धान्त:** USA को वर्तमान में चीन, भारत से चुनौती।

➢ **यथार्थवाद का प्रकार**

| **विश्लेषण की इकाई** | **यथार्थवाद का प्रकार** |
|---|---|
| राज्य | शास्त्रीय यथार्थवाद |
| अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था | नव - यथार्थवाद |
| घरेलू राजनीति के स्तर पर | नव - शास्त्रीय यथार्थवाद |

➢ **स्वतन्त्र विषय के बाद - विचारक**

**1. E. H. कार (ब्रिटिश इतिहासकार)**

- ✓ आदर्शवाद की मूल मान्यताओं को चुनौती दी, आदर्शवाद को "यूटोपियन समाज" कहा।
- ✓ पेरिस शांति सम्मेलन (1919) की आलोचना की।
- ✓ **कार ने यथार्थवाद और आदर्शवाद का विभाजन 3 रूपों में किया:**
  (i) "इतिहास कारण तथा परिणाम का एक क्रम है"।
  (ii) सिद्धान्त से व्यवहार नहीं बनता, बल्कि व्यवहार से सिद्धान्त बनता है।
  (iii) राजनीति नैतिकता का कार्य नहीं है।
- ✓ **E.H. कार:** "यथार्थवाद जैसा कि आदर्शवादी कहते हैं - 'दुष्ट आन्दोलनकर्ताओं के दिमागों में बसा भ्रम मात्र नहीं है'"।

**2. मोर्गन्थाऊ (राजनीतिक यथार्थवाद) (USA)**

- ✓ यथार्थवाद = मोर्गन्थाऊ।
- ✓ I.P. का पोप (POPE) कहा जाता है।
- ✓ "I.P. शक्ति के लिए संघर्ष है"।
- ✓ "शक्ति साधन व साध्य दोनों है"।
- ✓ "वर्तमान परमाणु युग - शक्ति सन्तुलन का स्वर्णयुग है"।
- ✓ **Book:** Politics Among Nations - The Struggle for Power and Peace (1948) - इस पुस्तक में "I.P. के विज्ञान' को विकसित करने का दावा किया।

➢ **मोर्गन्थाऊ के यथार्थवाद के 6 शाश्वत नियम**

1. राजनीति पर प्रभाव डालने वाले सभी नियमों की जड़ मानव प्रकृति में है।
2. राष्ट्रीय हितों की प्रधानता।
3. राष्ट्रीय हित का कोई निश्चित अर्थ नहीं होता है।
4. विवेक राजनीति का उच्चतम मूल्य है।
5. राष्ट्रों के नैतिक मूल्य सार्वभौमिक मूल्यों से पृथक होते हैं।
6. राजनीति क्षेत्र की स्वायत्तता।

➢ **मोर्गन्थाऊ की शक्ति के सन्दर्भ में नीतियाँ - 3**

1. यथास्थितिवादी (Status Quo)
2. साम्राज्यवादी (Imperialist policy)
3. प्रतिष्ठा (Prestige)

- **शान्ति स्थापना की विधियाँ – 3**
  1. प्रतिबंध द्वारा शान्ति
  2. रूपान्तरण / परिवर्तन द्वारा शान्ति
  3. परस्पर सुलह द्वारा शन्ति
- **मोर्गन्थाऊ के सिद्धान्त की आलोचना**
  - ✓ **डेविड सिंगर:** "मोर्गन्थाऊ को सबसे प्रमुख सिद्धान्त निर्माता"।
  - ✓ **रॉबर्ट टकर**
  - ✓ **जे. एन. टिकनर (USA नारीवादी)**
  - ✓ **मार्क्सवादी**
  - ✓ **निकोलस गुइलहीर**
  - ✓ **रिचर्ड स्नाइडर**
  - ✓ **कैनेथ वाल्टज:** "मोर्गन्थाऊ से चाहे सुनिश्चित सिद्धान्त ना मिले पर उनसे सिद्धान्त रचना के लिए पर्याप्त सामग्री प्रदान की है"।

## कैनेथ वाल्टज (नव यथार्थवाद)

- संरचनात्मक यथार्थवाद भी कहा जाता है। उदय - 1980 के दशक।
- **विचार:** राजनीति के 3 स्तर मानता है: व्यक्ति + राष्ट्र + अन्तर्राष्ट्रीय संरचना।
- **Books:**
  1. Man, the State and War, 1959
  2. Theory of International Politics, 1979
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था सिद्धान्त को आधार बनाकर शास्त्रीय यथार्थवाद में सुधार कर - नव यथार्थवादी सिद्धान्त दिया।
- **नव यथार्थवाद के अनुसार युद्ध का कारण:** "अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था की अराजकतावादी संरचना"।
- **अराजकता:** अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था के केन्द्र में "अराजकता" है।
- अन्तर्राष्ट्रीय - शान्ति व सुरक्षा हेतु "वैश्विक केन्द्रीय सत्ता" का होना आवश्यक है।
- यह व्यवहारवाद व व्यवस्थावाद से प्रभावित है।
- **नव यथार्थवादी:** "द्विध्रुवीय व्यवस्था (Bi-Polar) को अधिक स्थिर व अच्छा मानते है"।
- **कैनेथ वाल्टज:** I.P. में "माइक्रो इकॉनॉमिक सिद्धान्त के सादृश्य" का प्रयोग करते हैं।
  - ✓ **I.P. व्यवस्था की संरचना - 3 तत्व:**
  1. संगठनात्मक सिद्धान्त
  2. इकाइयों की स्थिति
  3. क्षमता का वितरण
- **वाल्टज शीतयुद्ध काल में तुलना:** USA - एथेन्स, USSR - स्पार्टा।

## आक्रामक यथार्थवाद

- **मुख्य समर्थक:** जॉन मीयरशाइमर (USA)
- **Book:** Tragedy of Great Power Politics - 2001
- **राज्यों का प्राथमिक प्रेरणा स्त्रोत:** शक्ति-अधिग्रहण।

## नव - शास्त्रीय यथार्थवाद / उत्तर- यथार्थवाद

- 1990 दशक बाद।
- इस शब्द का प्रथम प्रयोग: **गीडेन रोज** ने।
- यह शास्त्रीय यथार्थवाद + नव यथार्थवाद का संयोजन है।
- **विचारक:** फरीद जकारिया, वॉलफोर्थ, गीडेन रोज, आर. स्वेलर।
  - ✓ **आर. स्वेलर:** "Balance of interest theory" - राज्य हितों के लिए गठबंधन करते हैं।

## BOOKS

- Perpetual Peace: A Philosophical Sketch (1795) - इमैनुएल कांट
- The Twenty Years Crisis 1919-1939 - E. H. कार
- History of the Peloponnesian War - थ्यूसीडाइड्स
- From Wealth to Power (1998) - फरीद जकारिया
- Sovereignty: Organized Hypocrisy (1999) - स्टीफन क्रसनर
- Scientific Man vs Power Politics (1946) - मोर्गन्धाऊ
- In Defence of the National Interest (1951) - मोर्गन्धाऊ
- Dilemmas of Politics (1958) - मोर्गन्धाऊ
- The Purpose of American Politics (1960) - मोर्गन्धाऊ
- The State of War - J.J. रूसो
- The Art of War - सुन जू

## यथार्थवाद की आलोचना

- **नैबूर:** यथार्थवादी - 'तिमिरपुत्र' हैं।
- **स्टेनले हॉफमैन:** यथार्थवाद - शक्ति अद्वैतवाद कहा है।
- **एस. पी. हंटिंगटन:** "I.P. अब राष्ट्र-राज्यों का नहीं, सभ्यताओं का संघर्ष है"।

# परम्परावाद v/s विज्ञानवाद उपागम (Traditional vs Scientific Approaches)

- **"परम्परावाद व विज्ञान के मध्य महान बहस":** मार्टिन कैपलॉन।
- **"ये दो भिन्न बौद्धिक शैलियाँ या संस्कृतियाँ हैं":** डेविड सिंगर।

## परम्परावाद उपागम

- "यह आदर्शवादी, कानूनी, औपचारिक संस्थागत उपागमों व मूल्यों पर जोर देने वाली धारा है"।
- **I. P. में परम्परावाद का स्कूल:** English School
- **मुख्य विचारक:** मार्टिन वाइट व हेडले बुल।

1. **हेडले बुल (U.K.)**
   - ✓ प्रोफेसर (लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय)।
   - ✓ **प्रसिद्ध सिद्धान्त:** International Society Theory (अन्तर्राष्ट्रीय समाज सिद्धान्त)।
   - ✓ ग्रोशियन परम्परा के विचारक हैं।

- ✓ "राज्यों की व्यवस्था" अलग व "राज्यों का समाज" अलग होता है।
- ✓ व्यवहारवाद को पहली चुनौती बुल ने दी।
- ✓ परम्परावाद को चुनौती मार्टिन कैपलान (व्यवहारवादी) ने दी।
- ✓ **बुल की Books:**
  1. The Control of the Arms Race (1961) - "शस्त्रों की होड़ अपने आप में आंतक का अनुभव है"।
  2. Anarchical Society (1977) अराजक राज्य।

**2. मार्टिन वाइट (U.K.)**

- ✓ **3 विचारधारा (3R):**
  - R - Realism (यथार्थवाद)
  - R - Rationalism (तर्क-बुद्धिवाद)
  - R - Revolutionalism (क्रांतिवाद)
- ✓ **Book:** International Theory: The Three Traditions (1992)।

## व्यवहारवादी या वैज्ञानिक उपागम

- ➢ **उदय:** 2nd World War के बाद।
- ➢ यह अनुभववादी, वैज्ञानिक, अन्तः अनुशासनात्मक, मूल्य निरपेक्ष है।
- ➢ **समर्थक:** मार्टिन कैपलॉन (व्यवस्था सिद्धान्त), क्विन्सी राइट, डब्ल्यू. थॉम्पसन, रिचर्ड स्नाइडर, कार्ल डॉयच, थॉमस शैलिंग, मार्टिन शुबिक।
- ➢ **आलोचक:** हेडले बुल, माइकल हैन्स, मोर्गन्थाऊ।

## अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का व्यवस्था सिद्धान्त / प्रणाली

- ➢ **आरम्भ:** डब्ल्यू. थॉम्पसन।
- ➢ **वास्तविक विकास यानि प्रणेता:** मार्टिन कैपलॉन।
- ➢ **Book:** System and Process in I.P. - 1957 - इस पुस्तक में I.P. का "संरचनात्मक विश्लेषण" किया।
- ➢ **I.P. में मुख्यत: 2 अभिकर्ता:**
  - ✓ **राष्ट्रीय कर्त्ता (देश):** India, U.K., U.S.A., Nepal आदि देश।
  - ✓ **राष्ट्रोंपरि कर्त्ता:**
    - **अधि-राष्ट्रीय:** NAM, NATO, EU, ASEAN
    - **सार्वत्रिक:** U.N.O.

## मार्टिन कैपलॉन: I.P. में 6 प्रकार की व्यवस्था/मॉडल

**1. शक्ति संतुलन व्यवस्था:**

- ✓ ऐतिहासिक मॉडल (18-19 सदी में)।
- ✓ मुख्य 5-6 राष्ट्र (ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, ऑस्ट्रिया, हंगरी)।
- ✓ "राष्ट्रों के मध्य शक्तियों का समान वितरण"।

2. **शिथिल द्वि-ध्रुवीय व्यवस्था:**
   - ✓ विश्व 2 ध्रुवों में विभाजित, पर विभाजन-शिथिल।
   - ✓ गैर-गुटीय कर्ता (NAM आदि) - शान्ति, सहयोग व सन्तुलन बनाये रखते हैं।
3. **कठोर द्वि-ध्रुवीय व्यवस्था**
   - ✓ गैर - गुटीय कर्त्ताओं की भूमिका - समाप्त।
   - ✓ "दो ध्रुवों का सिद्धान्त" - स्टालिन।
   - ✓ **कैपलान:** बहुध्रुवीय व्यवस्थित संरचना।
   - ✓ **वाल्टज:** द्विध्रुवीय।
4. **सार्वभौमिक / विश्वव्यापी अन्तर्राष्ट्रीय व्यवस्था**
   - ✓ इस व्यवस्था में राष्ट्र-राज्यों का अस्तित्व बना रहता है, पर युद्ध रोकने व शान्ति स्थापना में भूमिका - UNO (सार्वभौमिक)।
   - ✓ राष्ट्रीय हित के बजाय अन्तर्राष्ट्रीय हित सर्वोपरि।
5. **सौपानिक व्यवस्था**
   - ✓ इसमें 1 शक्तिशाली राष्ट्र होता है, बाकी - पिछलग्गू।
   - ✓ यह एक ध्रुवीय व्यवस्था में - बहुध्रुवीय व्यवस्था है।
6. **इकाई वीटो व्यवस्था**
   - ✓ सभी के पास परमाणु बम होते हैं।
   - ✓ सभी समान शक्तिशाली होते हैं।
   - ✓ सार्वत्रिक कर्ता की भूमिका समाप्त हो जाती है।

Toppersnotes
Unleash the topper in you

- ➢ **कैपलान द्वारा बताई गई 4 नई व्यवस्थाएं (1991-USSR के पतन के बाद)**
  1. अतिशिथिल द्वि-ध्रुवीय व्यवस्था
  2. अस्थिर ब्लॉक व्यवस्था
  3. देतान्त
  4. अपर्याप्त परमाणु अप्रसार व्यवस्था
  - ✓ 11 सितम्बर 2001 - अमेरिका पर हमला (9/11 का हमला) के बाद जोसेफ नाई, किसिंजर ने माना कि कैपलान का मॉडल निरर्थक हो गया।

## अनुकरण उपागम (Simulation Approach)

- ➢ **आर. हैण्डी व पी. कुर्ज:** इसके सिद्धान्तों को 'अधिमान्य व्यवहार के सिद्धांत' कहते हैं।
- ➢ **अधिमान्य व्यवहार का तात्पर्य:** ऐसा व्यवहार जो परिस्थिति के अनुसार सबसे अच्छा व तर्कसंगत व्यवहार हो।

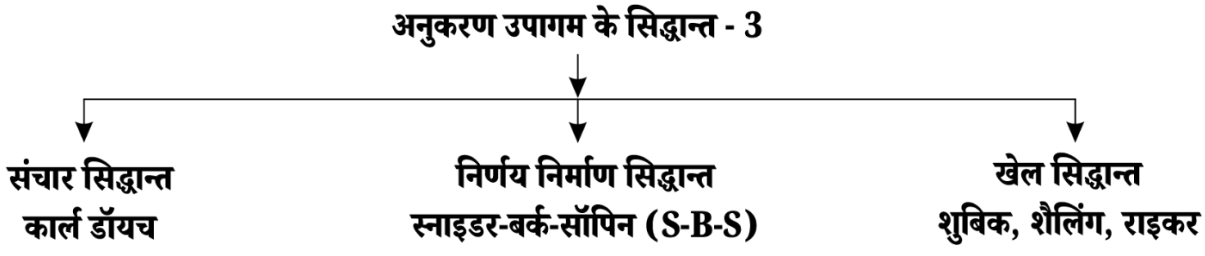

## 1. संचार सिद्धान्त (Communication Theory)

- ✓ **जनक:** नारबर्ट वीनर (गणित व संचार में प्रयोग)।
- ✓ **राजनीति विज्ञान में प्रयोग:** कार्ल डॉयच।
- ✓ इसे "राजनीतिक सम्प्रेषण सिद्धान्त" भी कहते हैं।
- ✓ यह निर्णय-निर्माण का तरीका है।
- ✓ **कार्ल डॉयच:** राजनीतिक व्यवस्था के बजाय, राजनीतिक संचार शब्द का प्रयोग।
- ✓ **Steering (संचालित):** राज व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण तत्व।
- ✓ **सुरक्षा समुदाय** शब्द का प्रयोग।
- ✓ **Feedback:** 2 प्रकार - सकारात्मक व नकारात्मक फीडबैक।
  - **नकारात्मक फीडबैक (संचार सिद्धांत की आत्मा) के 4 तत्व:**
    - ☞ Load (भार)
    - ☞ Gain (लाभ)
    - ☞ Lag (पीछे रहना)
    - ☞ Lead (अग्र)
- ✓ **Recall:** Broad changing
- ✓ **En-Coding:** प्रेषक द्वारा, **De-Coding:** ग्रहणकर्ता द्वारा संदेश को समझने हेतु।

## 2. निर्णय - निर्माण सिद्धान्त (Decision Making Theory)

- ✓ **निर्णय - निर्माण शब्दावली का प्रयोग:** एन्थनी डाऊन्स (20वीं सदी)।
- ✓ **Book:** An Economic Theory of Democracy (1957)।
- ✓ **I.P. में इसके मुख्य विचारक:** S.B.S. (स्नाइडर-बर्क-सॉपिन - रिचर्ड स्नाइडर, H. W. ब्रुक, बर्टन सॉपिन)।
- ✓ **अन्य विचारक:** विलियम रिकर, जेम्स रॉबिन्सन, एडवर्ड शिल्स, हरबर्ट साइमन।
- ✓ **हरबर्ट साइमन:**

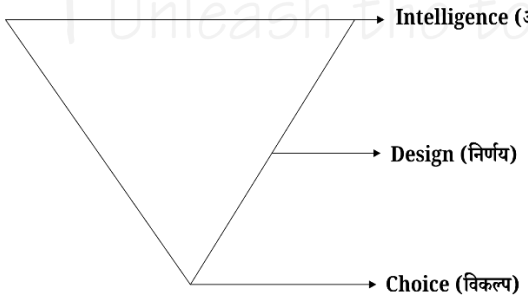


- ✓ **हाल्सटि:** निर्णय लेने में - "व्यक्तियों की सामाजिक - मनोवैज्ञानिक स्थिति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है"।

➢ **निर्णय - निर्माण के 3 मॉडल**

1. नौकरशाही राजनीति
2. समूह गतिशीलता नियम
3. व्यक्तिगत निर्णय नियम

➢ **निर्णय निर्माण के कारक एवं विचारक**

- ✓ **ग्राहम टी. एलिसन:** "नौकरशाही तथा नेतृत्व राजनीति"।
- ✓ **फ्रेड ग्रीनस्टीन:** "परामर्शी एवं राजनीतिक पर्यावरण"।
- ✓ **स्नाइडर:** "विदेश नीति संबंधी निर्णय - व्यक्ति महत्वपूर्ण"।
- ✓ **हेराल्ड स्प्राउट व मार्गरिट स्प्राउट:** "पर्यावरण" - महत्वपूर्ण।

➢ **निर्णय निर्माण सिद्धान्त की विभिन्न धाराएँ**

1. **व्यक्तित्वकारक अध्ययन:** एलेक्जेण्डर जॉर्ज व जुलियट जॉर्ज, लेस्टर मिलबर्थ, मार्गेट हरमान।
2. **परिवेश अध्ययन:** हेराल्ड स्प्राउट व मार्गरिट स्प्राउट।
3. **कर्ता (Actor) अध्ययन:** स्नाइडर व बर्नार्ड कोहेन।

**3. खेल सिद्धान्त (Game Theory)**

- ✓ **खेल सिद्धान्त का सर्वप्रथम विचार:** जेम्स वाल्डग्रेव (1713)।
- ✓ **खेल सिद्धान्त को विकसित किया:** जॉन-वॉन न्यूमैन (1928)।
- ✓ **खेल:** शतरंज, चौसर, पॉकर।
- ✓ खेल सिद्धान्त को **"Conflict Theory (विरोध सिद्धान्त)"** भी कहते हैं।
- ✓ **खेल सिद्धान्त का प्रयोग:** युक्तिपूर्वक निर्णय लेने में किया जाता है ताकि लाभ अधिकतम हो तथा हानि कम से कम हो।
- ✓ इसे **'mini-max' रणनीति** या **"मैक्सी-मिनी सिद्धान्त"** कहते हैं।
- ✓ **खेल सिद्धान्त का प्रयोग करने वाले प्रथम विचारक:** आगस्टिन कॉरनॉट।
  - **कॉरनॉट - Book:** Researches into the mathematical principles of the Theory of wealth (1838)।
- ✓ **1950:** Prisoner's Dilemma (कैदी की दुविधा) पर केन्द्रित।
- ✓ **"अधिकतम रणनीति" का विचार:** जॉन नैश (Nash Equilibrium)।
- ✓ **राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सम्बन्ध को समझाने में प्रयोग:** डंकन लुइस, डब्ल्यू. रिकर, शैलिंग, अनातोले रेपापोर्ट, कैपलान, स्टो।
- ✓ **"Applied Political Theory" की समस्या में प्रयोग:** हार्डिन।
- ✓ **"विधि सिद्धान्त एवं विधिशास्त्र में प्रयोग:** बैयर्ड, गर्टनर, पिफनर (1994)।
- ✓ **खेल सिद्धान्त (अर्थशास्त्र में नोबल पुरस्कार):** थॉमस शैलिंग, 2005।

➢ **खेल सिद्धान्त के मुख्य विचारक**

- ✓ मार्टिन कैपलॉन
- ✓ वॉन न्यूमैन
- ✓ मार्टिन शुबिक
- ✓ थॉमस शैलिंग
- ✓ विलियम रिकर
- ✓ रॉबर्ट आऊमान

➢ **थॉमस शैलिंग**

- ✓ "मिक्सड मोटिव गेम"

➢ **विलियम राइकर**

- ✓ "Political Coalition" (राजनीतिक गठबन्धन)
- ✓ **गठबंधन के 3 नियम:**

1. आकार
2. रणनीति
3. असंतुलन नियम

- **अनातोल रैपोपार्ट ने - 3 प्रतिमान (model)**
  - ✓ 1st model: लड़ाइयों का
  - ✓ 2nd model: खेलों का
  - ✓ 3rd model: बहस का
- **कोरल बेल**
  - ✓ "शक्ति के साथ वार्ता" का सिद्धान्त दिया।
- **खेल सिद्धान्त की 5 पूर्व महत्वपूर्ण मान्यताएँ**
  1. रणनीति (Strategy)
  2. तर्कसंगत व्यवहार (Rational Behaviour)
  3. भुगतान (Pay-off)
  4. नियम (Rules)
  5. सूचना / जानकारी (Information)
- **Game Models**

1. **Zero-sum Game:**
   - ✓ दो ही खिलाड़ी, एक को लाभ, दूसरे को हानि।
   - ✓ परिणाम - Zero (शून्य) आता है।
   - ✓ खिलाड़ी देशों के मध्य विशुद्ध संघर्ष, विरोध व दृढ़ प्रतियोगिता।
2. **Non-zero sum Game:**
   - ✓ एक को लाभ दूसरे की हानि नहीं।
   - ✓ परिणाम - कभी शून्य नहीं आता है।
   - ✓ इसमें संघर्ष व सहयोग दोनों होते हैं।
   - ✓ **प्रतिपादक:** थॉमस शैलिंग।
   - ✓ **3 भाग होते हैं:**
     1. Non-zero sum Game (गणितीय नाम)
     2. Mixed motive Game (मनोवैज्ञानिक नाम)
     3. Bargaining Theory (सौदेबाजी सिद्धांत)
3. **चिकन थ्योरी (Hock-Dove Theory)**
   - ✓ **डंकन लूइस**
   - ✓ इसमें खिलाड़ी का उद्देश्य - अपने हितों की अधिकतम पूर्ति करना होता है, दूसरे के लाभ से उसे कोई मतलब नहीं होता है।
   - ✓ **Ex:** क्यूबा मिसाइल संकट-1962
   - ✓ **कगारवाद (Blinkmanship):** डलेस की थ्योरी इसी पर आधारित।
4. **कैदी की दुविधा (Prisoners Dilemma)**
   - ✓ **प्रो. ठकुर, थॉमस शैलिंग**
   - ✓ **उपयोग:** शीतयुद्ध काल में निःशस्त्रीकरण वार्ता में।
   - ✓ खेल सिद्धान्त ने - **Deterrence** व शस्त्र होड़ मॉडल के विकास में योगदान दिया।

Toppersnotes Unleash the topper in you

## सौदेबाजी सिद्धान्त

- **थॉमस शैलिंग**
- सौदेबाजी सिद्धान्त खेल सिद्धान्त का विस्तृत रूप है। यह **Non-zero sum game** का ही एक विस्तृत रूप है।
- वर्तमान काल में - सौदेबाजी सिद्धान्त का सबसे अधिक प्रयोग अर्थशास्त्र / आर्थिक स्थितियों में किया जाता है।

## अर्थ - वार्ता का सिद्धान्त (Quasi Negotiation)

- **फ्रेड इक्ले**
- How Nations Negotiate (1964)
- **जीसेक नोगी**
- The Diplomacy of Disarmament (1960)
- **ओरान यंग**
  - ✓ युद्ध व संकट की स्थिति में अन्तर होता है।
  - ✓ **Book:** The Politics of Force: Bargaining in International Crisis (1968)
  - ✓ सरल सौदेबाजी
  - ✓ युक्तिमूलक सौदेबाजी
- **Books**
  - ✓ Theory of Games and Economic Behaviour (1964) - वॉन-न्यूमैन
  - ✓ The Use of Game Theory - मार्टिन शुबिक
  - ✓ The Theory of Conflict - थॉमस शैलिंग
  - ✓ Experimental Games and Bargaining Theory - थॉमस शैलिंग

# उदारवाद v/s मार्क्सवाद व नव-मार्क्सवाद (Liberalism vs Marxism and Neo-Marxism)

## उदारवाद (Liberalism)

1. **गणतांत्रिक उदारवाद (Republican Liberalism)**
   - ✓ **समर्थक:** काण्ट व माइकल डॉयल (समकालीन विचारक)
   - ✓ **काण्ट:** 'चिरस्थायी शांति' (Perpetual Peace Thesis)
   - ✓ **माइकल डॉयल:** 'लोकतांत्रिक शांति का सिद्धान्त' (Democratic Peace Theory), 'शान्ति के उदार क्षेत्र' (Liberal zone of peace)
2. **समाजशास्त्रीय उदारवाद (Sociological Liberalism)**
   - ✓ **समर्थक:** जेम्स रॉजेनाऊ, कार्ल डॉयच
   - ✓ **जॉन बर्टन Book:** World Society (1972)
   - ✓ बर्टन का मकड़जाल / वाग्जाल मॉडल (Cobweb model)

3. **प्रकार्यवाद / फलनवाद (Functionalism)**
   - ✓ **प्रवर्तक:** डेविड मित्रेणी
   - ✓ **शब्द गढ़ा:** Functional Theory of integration
   - ✓ **Book:** Working Peace System (1943)
   - ✓ "यह उदार संस्थावाद का रूप है"।
   - ✓ फलनवाद यथार्थवाद के शक्ति व संघर्ष की बजाय सहयोग व शान्ति का निर्माण करना चाहता है।
   - ✓ मित्रेणी राजनीतिक क्षेत्र व तकनीकी-आर्थिक क्षेत्र को अलग-अलग कर देते हैं।
4. **नव-फलनवाद (Neo-functionalist)**
   - ✓ **कार्य:** "राज्यों का एकीकरण"
   - ✓ **मुख्य पद्धति:** 'क्षेत्रीय एकीकरण' (Regional Integration)
   - ✓ **प्रमुख विद्वान:** अर्नेस्ट हॉस
   - ✓ **Book:** Uniting of Europe (1958), Beyond the Nation State (1964)
   - ✓ राजनीतिक व तकनीकी क्षेत्रों को अलग-अलग नहीं किया जाता है।
   - ✓ **नव फलनवाद:** "Spillover Theory" or "Hyper spillover Theory" (बिखरे जाने का सिद्धान्त / अति-फैलाव)
5. **नव उदारवाद या जटिल अन्योन्याश्रितता**
   - ✓ **उदय:** 1970 के दशक बाद
   - ✓ नव-उदारवाद को संस्थावाद भी कहा जाता है।
   - ✓ **मुख्य विद्वान:** रॉबर्ट ओ. कोहेन, जोसेफ नाये
   - ✓ **अन्य विद्वान:** कैगली, रॉबर्ट जर्विस
   - ✓ **कोहेन व नाये - Book:** Power and Interdependency: World Politics in Transition (1977)
   - ✓ **जोसेफ नाये:** Soft power (2005)

| **कोहेन व नाये - I. P. 2 भाग** | |
|---|---|
| **उच्च राजनीति का क्षेत्र** | **निम्न राजनीति का क्षेत्र** |
| **Hard Power Diplomacy (H.P.D.)** | **Soft Power Diplomacy (S.P.D.)** |
| उद्देश्य पूर्ति - युद्ध, धमकी | सामाजिक व सांस्कृतिक सहयोग |
| H.P.D. = Military power + Economic Power | S.P.D. = Diplomacy + Culture + Pol. values + History |
| नाये - "गाजर व छड़ी" शक्ति | **Smart Power** = Hard power + Soft power |
| यथार्थवाद - समर्थक | |
| **कोहेन:** R.M.A (Revolution in military Affairs) | |

## मार्क्सवाद (Marxism)

- **साम्राज्यवाद का सिद्धान्त:** रोजा लक्जमबर्ग, लेनिन, कार्ल काट्स्की, बिल वारेन
- **निर्भरता सिद्धान्त:** ए. जी. फ्रैन्क, वाल्स्टीन, समीर अमीन
- **नव-ग्राम्शीवाद:** रॉबर्ट कॉक्स, स्टीफन गिल
- **आलोचनात्मक सिद्धान्त:** एन्ड्रयू लिंकलेटर, उल्रिच बेक
- **नव - मार्क्सवादी:** जस्टिन रोजनबर्ग
- I.P. में - मार्क्सवादी सिद्धान्त "कार्ल मार्क्स" के विचारों पर आधारित है।
- **अध्ययन का केन्द्रीय तत्व:** I.P. में पूरे सामाजिक विश्व की सम्पूर्णता की समीक्षा करनी चाहिए।
- यह प्रत्येक पेड़ की नहीं बल्कि जंगल में लगी आग पर ध्यान केन्द्रित करता है।

## Marxist Approach

- विश्व समाजवाद
- शान्तिपूर्ण सहअस्तित्व
- साम्राज्यवाद विरोध
- सर्वहारा अन्तर्राष्ट्रीय वाद
- राष्ट्रीय आत्मनिर्णय अधिकार
- पूंजीवाद विरोध / खात्मा

## मार्क्सवाद की प्रमुख विशेषता

- पद्धतिपरक समग्रवाद
- अन्तर्राष्ट्रीय साम्यवाद स्थापना
- वर्ग I.P. के विश्लेषण की मूल इकाई है - कम्यूनिस्ट मेनिफेस्टो (1848)
- इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या, ऐतिहासिक परिवर्तन

## साम्राज्यवाद का सिद्धान्त एवं मुक्त व्यापार का विरोध

1. **J. A. हॉब्सन - (इंग्लैण्ड - अर्थशास्त्री) - उदारवादी**
   - ✓ साम्राज्यवाद की सैद्धान्तिक व्याख्या
   - ✓ **BOOK:** Imperialism: A Study (1902)
   - ✓ **रोजा लक्जमबर्ग:** साम्राज्यवाद को "पूंजीवाद के लिए दौड़ का अन्तिम चरण माना"।
   - ✓ **Book:** The Accumulation of Capital (1913) - सैन्य औद्योगिक परिसर (सैन्य - औद्योगिक संकुल - आइजनहावर)
2. **लेनिन (रूसी राष्ट्रपति) (1917-24)**
   - ✓ **Book:** Imperialism: The Highest Stage of Capitalism (1917)
   - ✓ प्रथम विश्व युद्ध को "साम्राज्यवादी युद्ध" कहा।
   - ✓ लेनिन ने "एकाधिकार पूँजीवाद" का विचार दिया।
   - ✓ साम्राज्यवाद पूंजीवाद का अन्तिम चरण है।
   - ✓ लेनिन - कार्ल काट्स्की के 'अति साम्राज्यवाद' की आलोचना।

3. **बिल वारेन (1935-78)**
   - ✓ ब्रिटिश कम्यूनिस्ट पार्टी सदस्य
   - ✓ **Book:** Imperialism: Pioneer of Capitalism (1980)
   - ✓ लेनिन की पुस्तक की आलोचना की इसमें।
   - ✓ "साम्राज्यवाद: पूंजीवाद का अग्रदूत है"।
   - ✓ **वारेन का तर्क:** "निर्भरता सिद्धान्त और विश्व व्यवस्था सिद्धान्त द्वारा दर्शाए गए उत्तर-दक्षिण संबंधों की तस्वीर अधूरी है"।
4. **जस्टिन रोजनबर्ग (जर्मन नव-मार्क्सवादी)**
   - ✓ पूंजीवाद और वैश्विक सामाजिक संबंध।
   - ✓ **प्रारम्भिक बिन्दू:** "यथार्थवादी अन्तर्राष्ट्रीय संबंध सिद्धान्त की आलोचना करना है"।
   - ✓ दो युगों के बीच कथित समानता का वर्णन - "विशाल ऑप्टिकल भ्रम"।

## निर्भरता सिद्धान्त (Dependency Theory)

- ➢ **अन्य नाम:**
  - ✓ अल्प विकास का सिद्धान्त
  - ✓ केन्द्र परिधि मॉडल
- ➢ **उदय:** 1960 के दशक आरम्भ (लैटिन अमेरिका)।
- ➢ **अल्पविकास के सिद्धान्त की उत्पत्ति के 2 मुख्य स्त्रोत:**
  1. मार्क्सवाद के अन्दर सैद्धान्तिक विवाद।
  2. लैटिन अमेरिका के विकास का साकार अनुभव।
- ➢ **निर्भरता का उदय:** लैटिन अमेरिका आर्थिक आयोग (UNECLAC)
  - ✓ **गठन:** 1960 (UNO द्वारा)
  - ✓ **अध्यक्ष:** राउल प्रेबिश
  - ✓ आयोग ने - अल्पविकास का खुलासा किया तथा केन्द्र-परिधि नामक सिद्धान्त प्रस्तुत किया।
- ➢ **वैश्विक संरचना: 2 भाग**
  1. **केन्द्र:** अमीर देश (USA, UK)
  2. **परिधि:** गरीब देश (लैटिन अमेरिका, एशिया, अफ्रीका)

## प्रमुख विद्वान (लैटिन अमेरिकी)

1. **पॉल बारान:**
   - ✓ **Book:** The Political Economy of Growth (1957)
   - ✓ "एकाधिकार पूँजीवाद" के विचार को बढ़ाया।
   - ✓ जेनेट अबु लुघोड के विचारों से प्रेरित है।
2. **ए. जी. फ्रैन्क:**
   - ✓ **Book:** Capitalism and Underdevelopment in Latin America (1967)
     - चिली व ब्राजील का अध्ययन।
   - ✓ "परिधि का अल्पविकास ही केन्द्र के विकास की प्रमुख शर्त है।"
   - ✓ **लेख:**
     - Sociology of Development of Underdevelopment (1966)
     - Crisis: In the World Economy (1980)
     - The Underdevelopment of Development (1991)

3. **कार्डोसो:**
   - ✓ **Book: Dependency and Development in Latin America**
4. **सेलसो फुटाडो:**
   - ✓ **BOOK: Development and Underdevelopment (1964)**
5. **डॉस सेन्टोस:**
   - ✓ **"नव - निर्भरता" का विचार दिया।**
   - ✓ **3 प्रकार - निर्भरता:**
   1. उपनिवेशी निर्भरता
   2. वित्तीय औद्योगिक निर्भरता
   3. प्रौद्योगिकी औद्योगिक निर्भरता
6. **समीर अमीन (अफ्रीकी):**
   - ✓ **Book:**
   - Accumulation on a World Scale: A Critique of the Theory of Underdevelopment (1974)
   - Unequal Development (1976)
7. **वाल्टर रोडनी (अफ्रीकन):**
   - ✓ **Book:** How Europe Underdeveloped Africa (1972)
   - ✓ **तर्क:** अफ्रीका का अविकास = यूरोप का विकास (समान दर से)
8. **इमैनुअल वालरस्टीन (अमेरिकी समाजशास्त्री)**
   - ✓ **"विश्व - व्यवस्था सिद्धान्त" (World-System Theory)**

   - ✓ "निर्भरता सिद्धान्त का उन्नत रूप है"।
   - ✓ लेनिन के साम्राज्यवाद: पूंजीवाद की उच्चतम व्यवस्था (1917) से प्रभावित है।

➢ **Book:**
   - ✓ The Modern World System - 4 Vol. (1974, 80, 89, 2011)
   - ✓ The Capitalist World Economy (1979)
   - ✓ Decline of American Power (2003)

| **विश्व साम्राज्य** | **विश्व अर्थव्यवस्था** |
|---|---|
| एक केन्द्रीकृत राज व्यवस्था | राजनीतिक सत्ता का कोई अकेला केन्द्र नहीं |
| शक्ति का उपयोग, परिधि क्षेत्रों से केन्द्र की ओर संसाधन | शक्ति के बहुत से प्रतिस्पर्धी केन्द्र |

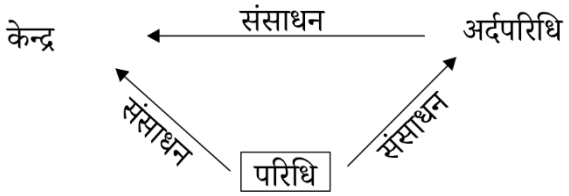


| केन्द्र राज्य | परिधीय राज्य | अर्ध-परिधीय राज्य |
|---|---|---|
| लोकतांत्रिक सरकार | गैर - लोकतांत्रिक | मध्यस्थ |
| कच्चे माल का आयात | कच्चा माल निर्यात | दोनों लक्षण |
| कल्याणकारी सेवाएँ | कल्याणकारी सेवाएँ नहीं | निम्न कल्याणकारी सुविधा |

## आलोचनात्मक सिद्धान्त (Critical Theory)

- **उदय:** 1920 तथा 1930 के दशक के पश्चिम यूरोप में।
- **सिद्धान्तकार:** फ्रैंकफर्ट स्कूल, रॉबर्ट कॉक्स, एन्ड्रयू लिंकलेटर।
- **अध्ययन का केन्द्र:** राज्य नहीं, बल्कि व्यक्ति होना चाहिए।
- I.P. का अध्ययन "मुक्तिकारी राजनीति" पर केन्द्रित।

## फ्रैंकफर्ट स्कूल (प. जर्मनी)

- 1923 में स्थापना।
- 1933 - हिटलर द्वारा निष्कासित, 1953 - पुनः स्थापना।
- फ्रैंकफर्ट स्कूल का संबंध - "आलोचनात्मक सिद्धान्त" से।
- मार्क्सवाद - अन्तर्राष्ट्रीय व्याख्या, विचारों का प्रभाव - ग्राम्शी।
- **पहली पीढ़ी के विचारक:** एडोर्नो, होर्खाइमर, मार्क्युजे।
- **दूसरी पीढ़ी के मुख्य विचारक:** युर्गेन हेबरमास।
- **अन्य विचारक:** रॉबर्ट कॉक्स, एण्ड्रयू लिंकलेटर।
- **आलोचनात्मक सिद्धान्त का मुख्य केन्द्र:** अधिसंरचना।

| सामाजिक जीवन के तत्व | |
|---|---|
| **आधार (Base) (मार्क्स - महत्वपूर्ण)** | **अधिसंरचना (Super Structure) (फ्रैंकफर्ट स्कूल - महत्वपूर्ण)** |
| आर्थिक तत्व | शिक्षा, संस्कृति, नागरिक समाज, राजनीतिक समाज, कानूनी ढाँचा |
| उत्पादन के साधन | "संस्कृति उद्योग" के नाम से मीडिया की भूमिका की आलोचना |
| उत्पादन के संबंध | |

1. **हरबर्ट मार्क्युजे:** "एक - आयामी व्यक्ति" → एक-आयामी समाज।

- **Book:** One-Dimensional Man: Studies in the Ideology of Advanced Industrial Society (1968)
- **3 भाग हैं:**
  1. One-Dimensional Society
  2. One-Dimensional Thought
  3. The Chance of Alternatives

- **मार्क्युजे:** आलोचनात्मक सिद्धान्तकारों का मुख्य ध्यान मुक्ति की संभावना / कामना पर बल देता है।
- **मुक्ति (Emancipation):** "प्रकृति के नियमों का ज्ञान प्राप्त कर विवशता से छुटकारा पाना"।
  - ✓ **पहली पीढ़ी विचारक अनुसार:** "प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने के रूप में"।
  - ✓ **दूसरी पीढ़ी विचारक अनुसार:** "सम्प्रेषण स्थापित करना"।
- **हेबरमास:** "एक सार्वजनिक क्षेत्र होना चाहिए"।
- **केन बूथ:** "आलोचनात्मक सुरक्षा समुदाय"।

**2. रॉबर्ट कॉक्स (कनाडा)**

- ✓ "USA ने नव उदारवाद को विश्वव्यापी व सार्वभौमिक मान्यता दिलाकर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार पर अपना प्रभुत्व स्थापित किया"।
- ✓ "राज्यों का अन्तर्राष्ट्रीयकरण"।
- ✓ "सिद्धान्त हमेशा किसी एक के लिए तथा किसी उद्देश्य के लिए होता है"।
- ✓ ग्राम्शी की अवधारणा से प्रभावित (कॉक्स): "बौद्धिकता का निराशावाद", "इच्छा शक्ति के आशावाद"।

| **रॉबर्ट कॉक्स** | |
|---|---|
| **समस्या समाधान** | **आलोचनात्मक सिद्धान्त** |
| यथास्थिति का समर्थन | विद्यमान व्यवस्था को चुनौती देना |
| व्यवस्था को वैधता प्रदान | परिवर्तन के समर्थन |
| यथार्थवादी, नव-यथार्थवादी, उदारवाद, नव उदारवाद | रॉबर्ट कॉक्स इनका समर्थन करता है। |
| रॉबर्ट कॉक्स इनका खण्डन करता है। | |

**3. एन्ड्रयू लिंकलेटर (ब्रिटेन)**

- ✓ **Books:**
  - Achievement of Critical Theory - 1996
  - Men and Citizen in the Theory of I.R. (1982)
- ✓ **लिंकलेटर अनुसार मुक्ति का अर्थ:**
  - स्वतंत्र होने के लिए स्वायत्तता की खोज करना।
  - स्व-निर्धारण के लिए मान्य क्षमता का विकास करना।
- ✓ **राजनीतिक समुदाय को पुनर्जीवित करने के सन्दर्भ - 3 आयाम:**

1. मानपरक आयाम (Normative)
2. समाजशास्त्रीय आयाम (Sociological)
3. उद्देश्यपरक आयाम (Praxeological)

**1. मानपरक आयाम**

- ✓ "नैतिक विशेषवाद की आलोचना एवं सामाजिक बहिष्करण"।
- ✓ **सार्वभौमिकतावाद:** लिंकलेटर इसका समर्थन करते हैं।
- ✓ **विशिष्टवाद:** लिंकलेटर इसका विरोध करते हैं।

**2. समाजशास्त्रीय आयाम**

- ✓ "राज्य, सामाजिक शक्तियाँ और परिवर्तित विश्व व्यवस्था"।